JAGRAN CITY PAGE III

लखनऊ विश्वविद्यालय में कर्मोदय इंटर्नशिप के लिए आवेदन 15 तक

स्नातक व परास्नातक अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राएं होंगे पात्र

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ एक बार फिर इंटर्नशिप का मौका मिलेगा। इसके लिए विश्वविद्यालय ने दूसरे चरण में कर्मोदय इंटर्नशिप के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शनिवार से शुरू कर दी। स्नातक और परास्नातक अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राएं आवेदन के लिए पात्र होंगे। https://qr.page/g/uMm2PtUDAk के जरिए आनलाइन आवेदन फार्म भरकर अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय में 15 दिसंबर तक जमा करना होगा।

शनिवार को अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने सभी डीन से कहा कि यदि उनके पास आवेदन आएं तो उन्हें डीएसडब्ल्यू कार्यालय को भेज दें। इस योजना के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ अंतिम वर्ष में छह माह तक विभिन्न विभाग एवं कार्यालय में इंटर्नशिप का मौका मिलेगा। इस योजना से रोजगारपरक कौशल में वृद्धि के साथ ही उनके टीम में कार्य करने की क्षमता और आत्मविश्वास में वृद्धि भी होगी। इंटर्नशिप पूरी होने पर प्रमाणपत्र भी दिया जाएगा। इसके पहले चरण में 100 से ज्यादा आवेदन आए थे, इनमें से 40 को इंटर्नशिप का मौका मिला था।

बीएससी जूलाजी की प्रायोगात्मक परीक्षाएं 15 से : लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएससी जूलाजी प्रथम, तृतीय व पांचवें सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाओं की प्रस्तावित तिथि जारी की है। पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 से 30 दिसंबर, तृतीय सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 25 दिसंबर से 10 जनवरी और प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 से 30 जनवरी के बीच कराई जाएंगी। इसके लिए कालेजों से विद्यार्थी संख्या, तिथि सहित कई विवरण देने के लिए कहा गया है।

जूलाजी विभाग के हेड प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि प्रयोगात्मक परीक्षा कराने संबंधी विवरण निर्धारित प्रारूप पर जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

चिंता को रोकें तो तनाव होगा नियंत्रित : प्रो. अनिल मिश्रा

लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग में शुरू हुए हेल्दी माइंड सत्र में शनिवार को परमाणु चुंबकीय अनुनाद (एनएमआर) स्पेक्ट्रोस्कोपी और तनाव के बीच संबंध एवं उस पर काबू पाने के विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। विभाग के हेड प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि तनावग्रस्त होने के कई कारण हो सकते हैं। पहले यह समझें कि तनाव क्या है। फिर इसके कारण और इसे नियंत्रित करने के तरीकों का पता लगाएं। तनाव की शुरुआत उस चिंता से तब होती है जब हम समस्याओं को हल करने में असमर्थ होते हैं। इससे चिंता और फिर तनाव पैदा होता है। तनाव केवल चिंता का संचय है। अगर हम इसे चिंता के स्तर पर रोक सकें तो तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है।

काउंटर पर रही भीड़

लवि में शनिवार को छात्रवृत्ति के आवेदन फार्म जमा करने के लिए कैशियर काउंटर पर भीड़ रही। बीकाम द्वितीय सेमेस्टर का परिणाम आने के बाद तीसरे सेमेस्टर में विद्यार्थियों को प्रमोट किया जाना था, लेकिन द्वितीय शनिवार को कामर्स फैकल्टी कार्यालय बंद था। विद्यार्थी कुलसचिव संजय मेधावी के पास पहुंचे। उन्होंने फैकल्टी कार्यालय खुलवाकर विद्यार्थियों को प्रमोट कराया, जिसके बाद फार्म आनलाइन भरना शुरू किया। कुलसचिव ने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने शनिवार रात तक छात्रवृत्ति के आनलाइन फार्म भरे हैं, वे कापी सोमवार को छात्रवृत्ति अनुभाग में जमा कर सकते हैं। कैशियर कार्यालय में तीन काउंटर भी खुलवाए गए हैं।

लोगो का अनावरण

लवि के विधि संकाय में शनिवार को अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रिजाल्यूशन, ड्राफ्टिंग एवं लिटरेरी सोसायटी के लोगो का अनावरण किया गया। अधिष्ठाता प्रो. डा. बंशीधर सिंह, प्रो. राकेश सिंह, प्रो. आरके वर्मा, डा. अनुराग श्रीवास्तव, डा. राजीव सिंह राठी, स्टूडेंट डीन इन्द्र दमन तिवारी उपस्थित रहे। भू-विज्ञान विभाग में शनिवार को 'भारतीय ज्ञान विज्ञान की उज्ज्वल परम्परा' विषय पर संगोष्ठी हुई। अध्यक्षता विद्या भारती के क्षेत्र प्रचार प्रमुख सौरभ मिश्र ने की। मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संगठन मंत्री मुकुल कानिटकर, विशिष्ट अतिथि विभागाध्यक्ष प्रो. अजय मिश्रा उपस्थित रहे।

लवि : कई विषयों के परिणाम घोषित

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्विवद्यालय (लवि) ने शनिवार को बीएससी कृषि द्वितीय सेमेस्टर सहित कई विषयों के परिणाम जारी कर दिए।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि बीएससी कृषि] एमए एमएससी योग, बीए, बीएससी योग, एमए एजुकेशन, एमए जाग्रफी, मास्टर आफ सोशल वर्क द्वितीय सेमेस्टर, पीजी डिप्लोमा इन योग, फाजिल ए अदब, दाबिर ए माहिर, एमबीए फाइनेंस एंड एकाउंट, बीपीएड, पीजी डिप्लोमा इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, मास्टर इन पब्लिक हेल्थ, एमए दर्शन शास्त्र, बीवाक रिन्यूएबल एनर्जी, पीजी डिप्लोमा इन नैचुरोपैथिक साइंस एंड योग, बीए आनर्स सोशल वर्क व एमएससी न्यूट्रिशन द्वितीय सेमेस्टर के परिणाम जारी कर दिए गए हैं। बैचलर आफ परफार्मिंग आर्ट के दूसरे व आठवें सेमेस्टर के परिणाम भी घोषित हो गए। गौरतलब है कि छात्र-छात्राएं एक महीने से ज्यादा समय से परिणाम का इंतजार कर रहे थे।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि के छात्र को पांच लाख का सालाना पैकेज

तीन कंपनियों में 20 छात्रों का हुआ प्लेसमेंट

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के 20 छात्रों का तीन कंपनियों में शनिवार को चयन हुआ। इसमें बीटेक छात्र विशाल अवस्थी का सॉर्ड सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीज में एसोसिएट सॉफ्टवेयर डवलपर के पद पर पांच लाख सालाना के पैकेज पर चयन हुआ।

विशाल अवस्थी।

वहीं, बाइंडिंग माइंड्स कम्पनी में बीटेक के दो छात्रों कृष्णकांत झा और जेबा सुल्ताना का चयन हुआ। इन्हें तीन लाख रुपये सालाना का पैकेज ऑफर हुआ है। वहीं एमबीए की दो छात्राओं दीक्षा सिंह और अदिति मेहरोत्रा का चयन यूएस कॉर्पोरेट रिक्रूटर के पद पर तीन लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ है।

वहीं, स्कोलर कंपनी में बीटेक के 15 छात्रों हिमांशु राय, प्रांजल यादव, श्रीशेश्वर शुक्ला, पुष्पेंद्र यादव, कृष्णकांत, अनस साहब, अंकित कुमार, शिवांगी सेठ, रश्मि मिश्रा, जिजीविषा गिरी, सोनाली शर्मा, ऋतिक श्रीवास्तव, प्रतीक गुप्ता, सिमरन सिंह और आगाज सिंह का चयन बिजनेस डवलपमेंट एसोसिएट के पद पर हुआ है।

स्कोलर कंपनी छात्रों को ट्रेनिंग के दौरान 18 हजार रुपये प्रति माह के साथ ही 15 हजार रुपये परफॉर्मेंस इंसेंटिव देगी। ट्रेनिंग के बाद छात्रों को करीब छह लाख प्रतिवर्ष का पैकेज ऑफर किया जाएगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, इंजीनियरिंग संकाय के डीन प्रो. एके सिंह, इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ. हिमांशु पांडेय ने चयनित छात्रों को बधाई दी है।

पढ़ाई के साथ छह माह की इंटर्नशिप का फिर मौका

लखनऊ। लविवि ने शनिवार को छात्रों को पढ़ाई के साथ इंटर्नशिप कराने के लिए कर्मोदय योजना के तहत आवेदन मांगे हैं। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय में पिछले तीन वर्षों में कर्मयोगी, कर्मोदय और शोध मेधा समेत कई योजनाओं की शुरुआत हुई है।

लविवि ने कर्मोदय योजना के द्वितीय चरण के लिए मांगे आवेदन

प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि कर्मोदय योजना, छात्रों को अपने कौशल का उपयोग करते हुए प्रतिभा निखारने का अवसर देती है। छात्र पढ़ाई के साथ अंतिम वर्ष में छह महीने की इंटर्नशिप कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इस योजना से छात्रों के रोजगारपरक कौशल में वृद्धि कराने के साथ टीम में कार्य करने की क्षमता विकसित कराई जाती है। इंटर्नशिप पूरी होने पर सभी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है। इसका फायदा उन्हें प्लेसमेंट में मिलता है। प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि पिछले वर्ष कर्मोदय योजना के तहत 100 से भी अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 40 विद्यार्थियों की इंटर्नशिप कराई गई थी। (संवाद)

सर्दी-जुकाम से लेकर कैंसर तक के लिए तनाव जिम्मेदार

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लविवि के रसायन विज्ञान विभाग के छात्रों ने शनिवार को तनाव नियंत्रण के गुर सीखे। रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. अनिल मिश्रा ने समग्र विकास के लिए हेल्दी माइंड सेशन में विद्यार्थियों को तनाव पर विजय पाने के टिप्स दिए। इसमें रसायन विज्ञान के एमएससी और एमएससी फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री के तृतीय सेमेस्टर के छात्र शामिल हुए।

प्रो. अनिल मिश्रा ने 'एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी और तनाव के बीच संबंध व उस पर काबू पाना - एक व्यावहारिक दृष्टिकोण' विषय पर व्याख्यान के माध्यम से छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सामान्य सर्दी-जुकाम से लेकर कैंसर और कोविड संक्रमण जैसी गंभीर बीमारियों के लिए तनाव जिम्मेदार है। तनावग्रस्त व्यक्ति के लिए आवश्यक है कि वह इसका मूल्यांकन करे और कारणों का पता लगाए। तनाव हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर कर देता है। यदि हम अपनी चिंता के स्तर को रोकें तो तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है।

लविवि के रसायन विज्ञान विभाग के छात्रों ने सीखे तनाव नियंत्रण के गुर

उन्होंने कहा कि हम अपने विचारों, भावनाओं और कार्यों को कुछ आसान अभ्यासों से भी नियंत्रित कर सकते हैं। ध्यान के सरलतम रूप सचेतन श्वास का अभ्यास तनाव दूर करने में सहायक है। प्रो. अभिनव कुमार, डॉ. अमृता श्रीवास्तव, डॉ. ओम प्रकाश, डॉ. सुनील राय समेत छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

लविवि : स्नातक व पीजी परीक्षा का परिणाम जारी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने शनिवार को स्नातक व पीजी कोर्स के परीक्षा परिणाम जारी कर दिए। इसकी जानकारी परीक्षा नियंत्रक ने दी।

परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार को बीए, बीएससी योग, एमए एजुकेशन, एमए जियोग्राफी, बीएससी कृषि, एमएससी योग, पीजी डिप्लोमा इन योग, फाजिल ए अदब, दाबिर ए माहिर, एमबीए फाइनेंस व अकाउंट, एमए सोशल वर्क द्वितीय सेमेस्टर, बीपीएड, पीजी डिप्लोमा इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एमए पब्लिक हेल्थ, एमए दर्शनशास्त्र, पीजी डिप्लोमा इन नैचुरोपैथिक साइंस एंड योग, बीवाक रिन्यूएबल एनर्जी, बीए आनर्स सोशल वर्क और एमएससी न्यूट्रीशन द्वितीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणामों को जारी किया गया है।

नेशनल पीजी में शुरू हुईं प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं

लखनऊ। नेशनल पीजी कॉलेज में शनिवार को नई शिक्षा नीति के तहत प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू हुईं। सुबह नौ बजे से शुरू हुई पहली पाली में बीवॉक (बैंकिंग एंड फाइनेंस), बीवॉक (सॉफ्टवेयर एंड डेवलपमेंट), बीएजेएमसी, बीकॉम, बीबीए, बीबीएएमएस, बीसीए, बीकॉम ऑनर्स संग बीए हिंदी व अंग्रेजी के तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी शामिल रहे। प्राचार्य देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पहली पाली में कुल 1390 छात्र-छात्राओं में से 1366 विद्यार्थी उपस्थित रहे। वहीं, दूसरी पाली में बीए मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र, गणित के प्रथम सेमेस्टर संग बीए राजनीतिशास्त्र के पांचवें सेमेस्टर के 471 विद्यार्थी उपस्थित रहे। (संवाद)

i-NEXT PAGE 2

बीएससी जूलाजी प्रैक्टिकल एग्जाम 15 से

LUCKNOW: लखनऊ विश्वविद्यालय ने बीएससी जूलाजी प्रथम, तृतीय व पांचवें सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाओं की प्रस्तावित तिथि जारी की है. पांचवें सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 से 30 दिसंबर, तृतीय सेमेस्टर की प्रयोगात्मक परीक्षाएं 25 दिसंबर से 10 जनवरी और प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 से 30 जनवरी के बीच कराई जाएंगी. इसके लिए कालेजों से विद्यार्थी संख्या, तिथि सहित कई विवरण देने के लिए कहा गया है. जूलाजी विभाग के हेड प्रो. एम सेराजुद्दीन ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय से पांचों जिलों में बहुत से कालेजों में बीएससी जूलाजी विषय संचालित है.

20 विद्यार्थियों का हुआ कैंपस प्लेसमेंट

LUCKNOW: एलयू के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल की ओर से हुए प्लेसमेंट ड्राइव में तीन कंपनियों में 20 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हुआ है. प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डा. हिमांशु पांडेय ने बताया कि सार्ड साफ्टवेयर टेक्नोलाजी कंपनी में बीटेक के छात्र विशाल अवस्थी का चयन एसोसिएट साफ्टवेयर डेवलपर के पद पर अधिकतम पांच लाख प्रतिवर्ष के पैकेज हुआ. उन्होंने बताया कि बाइंडिंग माइंड्स कंपनी में बीटेक के दो छात्रों कृष्णकांत झा और जेबा सुल्ताना, एमबीए की दो छात्राओं दीक्षा सिंह, अदिति मेहरोत्रा का चयन यूएस कारपोरेट रिक्रूटर के पद पर तीन लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर हुआ. इसी तरह स्कोलर कंपनी में बीटेक के हिमांशु राय, प्रांजल यादव, श्रीशेश्वर शुक्ला, पुष्पेंद्र यादव, कृष्णकांत, अनस साहब, अंकित कुमार, शिवांगी सेठ, रश्मि मिश्रा, जिजीविशा गिरि, सोनाली शर्मा, ऋतिक श्रीवास्तव, प्रतीक गुप्ता, सिमरन सिंह और आगाज सिंह का चयन बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट पद पर हुआ है.

कर्मोदय इंटर्नशिप के लिए आवेदन 15 तक

LUCKNOW: लखनऊ विश्वविद्यालय में पढ़ाई के साथ-साथ एक बार फिर इंटर्नशिप का मौका मिलेगा. इसके लिए विश्वविद्यालय ने दूसरे चरण में कर्मोदय इंटर्नशिप के लिए आनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शनिवार से शुरू कर दी. स्नातक और परास्नातक अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राएं आवेदन के लिए पात्र होंगे. https://qr.page/g/uMmwPtUDAk के जरिए आनलाइन आवेदन फार्म भरकर अधिष्ठाता छात्र कल्याण कार्यालय में 15 दिसंबर तक जमा करना होगा. शनिवार को अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने सभी डीन से कहा कि यदि उनके पास आवेदन आएं तो उन्हें डीएसडब्ल्यू कार्यालय को भेज दें. इस योजना के अंतर्गत छात्र-छात्राओं को पढ़ाई के साथ-साथ अंतिम वर्ष में छह माह तक विभिन्न विभाग एवं कार्यालय में इंटर्नशिप का मौका मिलेगा.

स्टूडेंट्स के लिए खुला काउंटर

स्कॉलरशिप फार्म जमा कराने बड़ी संख्या में आ रहे हैं स्टूडेंट्स

LUCKNOW(10 Dec): लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को छात्रवृत्ति के आवेदन फार्म जमा करने के लिए कैशियर काउंटर पर शनिवार को भी भीड़ रही. बीकाम द्वितीय सेमेस्टर का परिणाम देर रात आने के बाद तीसरे सेमेस्टर में विद्यार्थियों को प्रमोट किया जाना था, लेकिन द्वितीय शनिवार होने की वजह से कामर्स फैकल्टी का कार्यालय बंद था. परेशान होकर विद्यार्थी कुलसचिव संजय मेधावी के पास पहुंचे. उन्होंने तुरंत कामर्स फैकल्टी का कार्यालय खुलवाकर विद्यार्थियों को तीसरे सेमेस्टर में प्रमोट कराया, जिसके बाद छात्र-छात्राओं ने छात्रवृत्ति फार्म आनलाइन भरना शुरू किया. कुलसचिव ने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने शनिवार रात तक छात्रवृत्ति के आनलाइन फार्म भरे हैं, वह उसकी कापी सोमवार को छात्रवृत्ति अनुभाग में जमा कर सकते हैं.

AMRIT VICHAR PAGE 4

लखनऊ विवि के 20 छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर तीन कंपनियों में 20 छात्रों का प्लेसमेंट हुआ।

शनिवार को इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि सॉर्ड सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीस कम्पनी में बीटेक के छात्र विशाल अवस्थी का चयन एसोसिएट सॉफ्टवेयर डेवलपर के पद पर अधिकतम 5 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर, बाइंडिंग माइंड्स कम्पनी में बीटेक के दो छात्रों कृष्णकांत झा और जेबा सुल्ताना व एमबीए की दो छात्राओं दीक्षा सिंह और अदिति मेहरोत्रा का चयन यूएस कॉर्पोरेट रिक्रूटर के पद पर 3 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर चयन किया गया। इसके साथ ही स्कोलर कम्पनी में बीटेक के 15 छात्रों का चयन बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट के पद पर हुआ।

स्कोलर कम्पनी ने छात्रों को ट्रेनिंग के दौरान 18,000 रुपये प्रति माह और 15,000 रुपये इंसेन्टिव और ट्रेनिंग के बाद छात्रों को अधिकतम 6.0 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज ऑफर किया।

पढ़ाई के साथ इंटर्नशिप करने का मिलेगा मौका

अमृत विचार संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने कर्मोदय योजना के लिए छात्र व छात्राओं के आवेदन मांगे हैं। इस कर्मोदय योजना के तहत छात्र पढ़ाई के साथ-साथ अंतिम वर्ष में छह माह तक की इंटर्नशिप कर सकते हैं। इससे छात्रों के कौशल का उचित उपयोग और अपनी प्रतिभा को अधिक निखारने का अवसर मिलेगा।

लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा छात्र हित में पिछले तीन वर्षों में कर्मयोगी, कर्मोदय और शोधमेधा सहित कई अन्य नई योजनाओं की शुरुआत की है जिससे छात्रों को समग्र विकास की दिशा में बेहतरीन अवसर मिले हैं। इन छात्र केंद्रित योजनाओं के तहत छात्र-छात्राओं से विवि ने आवेदन मांगा है। विगत वर्ष कर्मोदय योजना के तहत 100 से भी अधिक आवेदन प्राप्त हुए। जिनमें से 40 विद्यार्थियों का चयन हुआ था। इन छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों व संस्थानों में इंटर्नशिप पूरी कर ली है।

> नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, इस प्रकार के इंटर्नशिप कार्यक्रम से छात्रों के लिए एक कार्यकुशल और सहायक वातावरण सुनिश्चित करने में काफी मदद मिली है। लविवि पहला संस्थान है जो इस तरह की छात्र केंद्रित योजनाएं शुरू करके अपने छात्रों को लाभान्वित कर रहा है।
>
> -प्रो. पूनम टंडन, अधिष्ठाता छात्र कल्याण

अवसर

- लविवि ने कर्मोदय योजना के लिए छात्र-छात्राओं से मांगे आवेदन

रोजगारपरक कौशल में होगी वृद्धि: इस योजना से छात्रों के रोजगारपरक कौशल में वृद्धि के साथ ही उनके टीम में कार्य करने की क्षमता और उनके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। इंटर्नशिप पूरी होने पर सभी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे, जिससे छात्रों को रोजगार तलाशने में काफी आसानी होगी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि में कर्मोदय योजना के लिए 15 तक मांगे आवेदन

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्र केंद्रित योजनाओं के तहत छात्र-छात्राओ से कर्मोदय योजना के लिए आवेदन मागे गये हैं। इसके लिए विद्यार्थी 15 दिसंबर तक आवेदन कर सकते है। ज्ञात हो कि यह कर्मोदय योजना का द्वितीय चरण होगा। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा छात्र हित मे पिछले तीन वर्षों में कर्मयोगी, कर्मोदय और शोधमेधा सहित कई अन्य नयी योजनाओं की शुरूआत की है ताकि छात्रों को समग्र विकास की दिशा मे बेहतरीन अवसर मिले हैं।

- छह महीने की इंटर्नशिप करने का अवसर

कर्मोदय योजना के तहत छात्रों के कौशल का उचित उपयोग करते हुए उन्हें अपनी प्रतिभा को और अधिक निखारने का अवसर प्रदान किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत छात्र पढ़ाई के साथ-साथ अंतिम वर्ष में छह माह तक की इंटर्नशिप कर सकते हैं। इस योजना से छात्रों के रोजगारपरक कौशल मे वृद्धि के साथ ही उनके टीम मे कार्य करने की क्षमता तथा उनके आत्मविश्वास में वृद्धि भी होती है। इंटर्नशिप पूरी होने पर सभी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है जिससे छात्रों को रोजगार तलाशने में काफी आसानी होती है। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि विगत वर्ष कर्मोदय योजना के तहत 100 से भी अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे। जिनमे 40 विद्यार्थियों का चयन हुआ था। इन छात्र-छात्राओं ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों एवं संस्थानों में इंटर्नशिप पूरी कर ली है। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप, इस प्रकार के इंटर्नशिप कार्यक्रम से छात्रों के लिए एक कार्यकुशल और सहायक वातावरण सुनिश्चित करने मे काफी मदद मिलती है। लखनऊ विश्वविद्यालय पहला संस्थान है जो इस तरह की छात्र केंद्रित योजनायें शुरू करके अपने छात्रों को लाभान्वित कर रहा है।

लविवि के 20 छात्रों का हुआ कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लविवि के इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में तीन कम्पनियों में 20 छात्रों का प्लेसमेंट हुआ। इंजीनियरिंग संकाय के ट्रेनिंग प्लेसमेंट सेल इंचार्ज डॉ. हिमांशु पाण्डेय नें बताया कि सॉर्ड सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजीस कंपनी में बीटेक के छात्र विशाल अवस्थी का चयन एसोसिएट सॉफ्टवेयर डेवलपर के पद पर अधिकतम पांच लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर, बाइंडिंग माइंड्स कंपनी में बीटेक के दो छात्रों कृष्णकांत झा और जेबा सुल्ताना और एमबीए की दो छात्राओं दीक्षा सिंह और अदिति मेहरोत्रा का चयन यूएस कॉर्पोरेट रिक्रूटर के पद पर तीन लाख प्रतिवर्ष के पैकेज पर तथा स्कोलर कम्पनी में बीटेक के 15 छात्रों हिमांशु राय, प्रांजल यादव, श्रीशेश्वर शुक्ला, पुष्पेंद्र यादव, कृष्णकांत, अनस साहब, अंकित कुमार, शिवांगी सेठ, रश्मि मिश्रा, जिजीविशा गिरी, सोनाली शर्मा, ऋतिक श्रीवास्तव, प्रतीक गुप्ता, सिमरन सिंह और आगाज सिंह का चयन बिजनेस डेवलपमेंट एसोसिएट के पद पर हुआ। स्कोलर कंपनी ने छात्रों को ट्रेनिंग के दौरान 18 हजार रुपए प्रति माह तथा 15 हजार रुपये इंसेन्टिव (परफॉरमेंस के आधार पर) और ट्रेनिंग के बाद छात्रों को अधिकतम 6.0 लाख प्रतिवर्ष का पैकेज ऑफर किया।

आयोजन लविवि के रसायन विज्ञान विभाग के हेल्दी माइंड सत्र की हुई शुरुआत

तनाव नियंत्रित करने के बताये तरीके

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के छात्र-छात्राओं के समग्र विकास के लिए हेल्दी माइंड सेशंस की शुरूआत की थी। इसी क्रम में द्वितीय सत्र का आयोजन शनिवार को किया गया। जिसमें एमएससी रसायन विज्ञान सेमेस्टर तृतीय और एमएससी फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री सेमेस्टर तृतीय के छात्रों ने प्रतिभाग किया। सत्र का संचालन रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो. अनिल मिश्रा ने किया।

यह व्याख्यान एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी और तनाव के बीच में संबंध एवं उस पर काबू पाना-एक व्यावहारिक दृष्टिकोण पर दिया। इस सत्र में प्रो. मिश्रा ने एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी, एक मजबूत चुंबकीय क्षेत्र और तनाव के साथ रेडियो-आवृत्ति के प्रभाव में नाभिक के चुंबकीय गुणों का अध्ययन करने के लिए एक भौतिक उपकरण को सहसंबद्ध किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे सामान्य सर्दी से लेकर कैंसर और कोविड संक्रमण जैसी कई बीमारियों के लिए जिम्मेदार है। तनावग्रस्त होने के कई कारण हो सकते हैं और किसी व्यक्ति के लिए यह आवश्यक है कि वह इसका मूल्यांकन करे और कारण का पता लगाये इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि पहले यह समझें कि तनाव क्या है और फिर इसे नियंत्रित करने के तरीकों का पता लगायें। तनाव हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करके और हमारे शरीर को उनके प्रति संवेदनशील बनाकर ऐसा करता है। तनाव की शुरूआत उस चिंता से होती है जो तब होती है जब हम समस्याओं को हल करने में असमर्थ होते हैं। इससे चिंता और फिर तनाव पैदा होता है। तनाव केवल चिंता का संचय है। यदि हम इसे चिंता के स्तर पर रोक सकें तो तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है। चिंता को नियंत्रित करने के कई तरीके हैं। व्यावहारिक दृष्टिकोण में इस बात पर जोर दिया जाता है कि कोई व्यक्ति कुछ बुनियादी सिद्धांतों का पालन करके कितनी आसानी से अपने जीवन का प्रबंधन कर सकता है जिसे हम आमतौर पर भूल जाते हैं। हम अपने विचारों, भावनाओं और कार्यों को कुछ आसान अभ्यासों से भी नियंत्रित कर सकते हैं जैसे सचेतन श्वास जो ध्यान का सबसे सरल रूप है।

उन्होंने छात्रों से कहा कि हो सकता है कि उन्होंने अनजाने में स्वीकृति लागू कर दी हो लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि इसे जानते हुए लागू किया जाये और इससे कम तनाव वाला जीवन जीने में मदद मिलेगी। छात्रों को सचेत श्वास ध्यान से परिचित कराया गया और उन्होंने सत्र के दौरान इसका अभ्यास भी किया। सत्र का संचालन विभाग के प्रो. अभिनव कुमार, डॉ. अमृता श्रीवास्तव, डॉ. ओम प्रकाश एवं डॉ. सुनील कुमार राय ने किया।

LOK SATYA PAGE 3

'तनाव और कुछ नहीं केवल चिंता का संचय है'

लखनऊ, लोकसत्य

रसायन विज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय, कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में एवं प्रोफेसर अनिल मिश्रा के नेतृत्व में, एमएससी एवं पीएच.डी., रसायन विज्ञान विभाग के छात्र-छात्राओं के समग्र विकास के लिए हेल्दी माइंड सेशंस की शुरुआत की थी।

इसी क्रम में द्वितीय सत्र का आयोजन दिनांक 10 दिसम्बर 2022 को किया गया जिसमे एम.एससी. रसायन विज्ञान सेमेस्टर III और एमएससी फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री सेमेस्टर III के छात्रों ने प्रतिभाग किया। सत्र का संचालन रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो. अनिल मिश्रा ने किया, और ₹एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी और तनाव के बीच में संबंध एवं उस पर काबू पाना - एक व्यावहारिक दृष्टिकोण₹ पर व्याख्यान दिया। इस सत्र में, प्रो. मिश्रा ने एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी, एक मजबूत चुंबकीय क्षेत्र और तनाव के साथ रेडियो-आवृत्ति के प्रभाव में नाभिक के चुंबकीय गुणों का अध्ययन करने के लिए एक भौतिक उपकरण को सहसंबद्ध किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे सामान्य सर्दी से लेकर कैंसर और कोविड संक्रमण जैसी कई बीमारियों के लिए जिम्मेदार है। तनावग्रस्त होने के कई कारण हो सकते हैं और किसी व्यक्ति के लिए यह आवश्यक है कि वह इसका मूल्यांकन करें और कारण का पता लगाए। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि पहले यह समझें कि तनाव क्या है और फिर इसे नियंत्रित करने के तरीकों का पता लगाएं। तनाव हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को कमजोर करके और हमारे शरीर को उनके प्रति संवेदनशील बनाकर ऐसा करता है। तनाव की शुरुआत उस चिंता से होती है जो तब होती है जब हम समस्याओं को हल करने में असमर्थ होते हैं। इससे चिंता और फिर तनाव पैदा होता है। तनाव केवल चिंता का संचय है। अगर हम इसे चिंता के स्तर पर रोक सकें तो तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है। चिंता को नियंत्रित करने के कई तरीके हैं।

व्यावहारिक दृष्टिकोण में इस बात पर जोर दिया जाता है कि कोई व्यक्ति कुछ बुनियादी सिद्धांतों का पालन करके कितनी आसानी से अपने जीवन का प्रबंधन कर सकता है जिसे हम आमतौर पर भूल जाते हैं। ये स्वीकृति और कृतज्ञता हैं। हम अपने विचारों, भावनाओं और कार्यों को कुछ आसान अभ्यासों से भी नियंत्रित कर सकते हैं जैसे सचेतन श्वास जो ध्यान का सबसे सरल रूप है। प्रो मिश्रा ने एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी के मूल विवरण को समझाकर अपना व्याख्यान शुरू किया। उन्होंने नाभिक में मुक्त स्पिन के महत्व से शुरुआत की और बहुआयामी एनएमआर और एमआरआई के सिद्धांत की व्याख्या की। उन्होंने स्वीकृति और कृतज्ञता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों से कहा कि हो सकता है कि उन्होंने अनजाने में स्वीकृति लागू कर दी हो लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि इसे जानते हुए लागू किया जाए और इससे कम तनाव वाला जीवन जीने में मदद मिलेगी।

छात्रों को सचेत श्वास ध्यान से परिचित कराया गया और उन्होंने सत्र के दौरान इसका अभ्यास भी किया। सभी छात्र इस दूसरे सत्र को सुनकर बहुत खुश हुए, जिससे न केवल एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी के बारे में उनकी समझ विकसित हुई, बल्कि तनावपूर्ण परिस्थितियों से निपटने के लिए उनका मनोबल भी बढ़ा। सत्र के दौरान सेमेस्टर III के स्नातकोत्तर छात्रों के साथ-साथ विभाग के संकाय सदस्य उपस्थित थे।